MARKETED BY: TEAMEX RETAIL LTD

421, 4th Floor, Vishala Supreme, Opp. Torrent
Power, SP Ring Road, Nikol, Ahmedabad- 382350.

COUNTRY OF ORIGIN INDIA

Cust. Care : +91 7069 121213
support@teamex.in | www.teamex.in

teamex.official teamex_ltd teamexretail

TEAMEX
Let's Win Together

AGRICULTURE

"ज़हर मुक्त खेती, रोग मुक्त जीवन"

जैविक खेती ही क्यों?

कृषि के लिए प्रकृति एक सर्वोत्तम शिक्षक है। जब भी हम जैविक खेती के बारे में सुनते हैं, तो इसकी जड़ें भारत और चीन में पाई जाती हैं, जहां खेती लगभग 4000 वर्षों से भी अधिक समय से होती आ रही है। जैविक खेती मिट्टी के स्वास्थ्य को बनाए रखने और मिट्टी के सूक्ष्म जीवों को जीवित रखने के लिए पशु वेस्ट, कृषि वेस्ट, जलीय वेस्ट आदि का उपयोग करके भूमि पर खेती करने और फसलें उगाने की एक विधि है। यह लाभकारी सूक्ष्म जीवों (जैविक उर्वरकों) के उपयोग को भी सुनिश्चित करता है, जो पर्यावरण के अनुकूल और प्रदूषण मुक्त पौधों के विकास के लिए मिट्टी और वातावरण के पोषक तत्वों को पौधों के लिए उपलब्ध रखता है।

भारत में जैविक खेती को अपनाना ।

विभिन्न कारणों से, भारतीय किसानों द्वारा जैविक खेती को अपनाया गया है। पहली श्रेणी में जैविक किसान शामिल हैं जो अत्यधिक गहन उपयोगी संसाधनों की उपलब्धता की कमी के कारण पारंपरिक जैविक खेती करते हैं। ये किसान जैविक खेती करने के लिए मजबूर हैं क्योंकि वे गैर-इनपुट या कम इनपुट उपयोग वाले क्षेत्रों में स्थित हैं। किसानों की दूसरी श्रेणी में प्रमाणित और गैर-प्रमाणित किसान शामिल हैं, जिन्होंने मिट्टी की उर्वरता, खाद्य विषाक्तता, बढ़ी हुई इनपुट लागत या कम बाजार मूल्य के संदर्भ में पारंपरिक खेती के दुष्प्रभावों को महसूस करने के बाद हाल ही में जैविक खेती को अपनाया है। जैविक किसानों की तीसरी श्रेणी में ज्यादातर प्रमाणित किसान और उद्यम शामिल हैं, जिन्होंने उभरते बाजार के अवसरों और कीमतों पर कब्जा करने के लिए भारत में जैविक खेती को व्यवस्थित रूप से अपनाने पर जोर दिया है। आज जैविक खेती पर उपलब्ध संपूर्ण डेटा वाणिज्यिक किसानों और उद्यमों की तीसरी श्रेणी पर निर्भर करता है, जो सबसे अधिक ध्यान आकर्षित कर रहे हैं।

जैविक खेती के लाभ

1. मिट्टी में कीटनाशक और रासायनिक अवशेषों को कम करता है।

जैविक खेती कीटनाशकों और रसायनों के उपयोग को कम करती है, जिससे प्रमुख पर्यावरणीय समस्याएं कम हो जाती हैं। यह मिट्टी, पानी, हवा और वनस्पतियों और जीवों का स्वास्थ्य सुनिश्चित करता है। मिट्टी के कटाव, वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण आदि जैसे प्रमुख पर्यावरणीय मुद्दों को भी कम करता है।

2. जैविक खेती ग्लोबल वार्मिंग से लड़ती है।

एक अध्ययन से पता चलता है कि जैविक कृषि पद्धतियों के लगातार उपयोग से हवा में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा कम हो जाती है और जलवायु परिवर्तन को धीमा करने में मदद मिलती है।

3. जैविक खेती जल संरक्षण सुनिश्चित करती है और जल प्रदूषण को नियंत्रित करती है।

कीटनाशकों और रसायनों के प्रवाह और लिंचिंग के कारण, जलाशय प्रदूषित हो रहे हैं और कई जलीय वनस्पतियों और जीवों को नष्ट कर रहे हैं। जैविक खेती प्रदूषणकारी रसायनों और कीटनाशकों के प्रवाह को रोककर हमारी जल आपूर्ति को अप्रदूषित और स्वच्छ रखने में मदद करती है।

4. जैविक खेती पशु स्वास्थ्य और कल्याण को सुरक्षित रखती है।

कीटनाशक और रासायनिक स्प्रे अधिकांश कीड़ों, पक्षियों, मछलियों आदि के प्राकृतिक आवासों को परेशान और नष्ट कर देते हैं। इसके विपरीत, जैविक खेती पक्षियों और अन्य प्राकृतिक शिकारियों को खुशी से खेत में रहने के लिए प्रोत्साहित करके प्राकृतिक आवास बनाए रखने में मदद करती है, जो प्राकृतिक कीट नियंत्रण के रूप में कार्य करता है।

5. जैविक खेती जैव विविधता को बढ़ावा देती है।

जैविक खेती से कीटनाशकों, शाकनाशियों और अन्य हानिकारक रसायनों का उपयोग कम हो जाता है जो मिट्टी की मुख्य वनस्पतियों और जीवों को नष्ट कर देते हैं। जैविक खेती को प्रोत्साहित करने से, प्राकृतिक पौधे, कीड़े, पक्षी और जानवर जीवित रहेंगे और प्राकृतिक वातावरण में प्रचुर मात्रा में रहेंगे, जिससे पारिस्थितिक संतुलन बना रहेगा।

जैविक खाद्य उत्पादों के प्रमुख लाभ

१. मिट्टी में कीटनाशकों और रासायनिक अवशेषों को कम करता है।

२. पारंपरिक रूप से उगाई गई उपज की तुलना में उच्च पोषण मूल्य।

३. गैर जैविक भोजन से बेहतर स्वाद।

४. पशु कल्याण को बढ़ावा देता है।

५. रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है।

६ . प्राकृतिक वनस्पतियों, जीवों और प्राकृतिक आवासों की रक्षा करता है।

७. युवा पीढ़ी के लिए सुरक्षित एवं स्वस्थ वातावरण।

प्रमाणित जैविक उत्पाद क्या हैं?

प्रमाणित जैविक उत्पादन वे हैं, जो कुछ तकनीकी विशिष्टताओं (मानकों) के अनुसार उत्पादित, संग्रहीत, संसाधित, संभाले और बेचे जाते हैं और प्रमाणन निकाय द्वारा "जैविक" के रूप में प्रमाणित होते हैं। एक बार प्रमाणन संस्था द्वारा जैविक मानकों के अनुपालन को सत्यापित कर लेने के बाद, उत्पादन पर लेबल लगा दिया जाता है। यह लेबल प्रमाणित करने वाली संस्था के आधार पर अलग-अलग होगा, लेकिन इसे गारंटी के रूप में लिया जा सकता है कि "जैविक" उत्पाद बनाने वाले आवश्यक तत्व खेत से बाजार तक पाए जाते हैं। यहां यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि ऑर्गेनिक लेबल विनिर्माण प्रक्रिया पर लागू होता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि उत्पादन का और प्रसंस्करण पारिस्थितिक रूप से सुदृढ़ तरीके से किया गया है। इसलिए उत्पादन की गुणवत्ता के दावे के विपरीत जैविक लेबल एक उत्पादन प्रक्रिया का दावा है।

Our Certification

NOCA
NPOP/NAB/0026

181911932OR

MAKE IN INDIA

VOCAL FOR LOCAL

POISON-FREE FARMING, DISEASE-FREE LIFE.

100% Natural

भूमिविटा

भूमि सुधार के लिए

पौधों के बढ़ने के लिए मिट्टी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अच्छी गुणवत्ता वाली फसल प्राप्त करने के लिए मिट्टी में आवश्यक पोषक तत्व होने चाहिए। भूमिविटा में यह सभी आवश्यक पोषक तत्व होते हैं जो पौधों की वृद्धि के लिए आवश्यक होते हैं। यह फसल की उपज की बढोतरी करता है और खराब गुणवत्ता वाली भूमि में सुधार करता है। भूमिविटा विशुद्ध रूप से प्राकृतिक और हानिकारक रसायनों से मुक्त है। इसका प्राकृतिक सूत्रीकरण मिट्टी की प्राकृतिक उर्वरता और पौधों की वृद्धि को बढ़ाता है। भूमिविटा मिट्टी की जल धारण क्षमता में सुधार करता है और मिट्टी में पोषक तत्वों को मिलाता है। यह मिट्टी में जैविक कार्बन को भी बढ़ाता है और पोषक तत्वों के अवशोषण में सुधार करता है।

मुख्य तत्व:

अश्वगंधा, चित्रक, एलोवेरा, अरंडी का तेल और अन्य औषधीय तेल।

सामग्री:

औषधीय पौधों के हर्बल अर्क और तेल।

कार्य :

मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार और मिट्टी में लापता पोषक तत्व प्रदान करता है।

फसलें:

सभी क्षेत्र फसलों और बागवानी फसलों के लिए उपयुक्त।

उपयोग:

पहले और बाद में दोनों उपयोग के लिए। कोई भी कीटनाशक या कवकनाशक के साथ मिश्रण ना करें।

किंमत : ₹४७५ पूर्ण सामग्री : २५० मिली. | किंमत : ₹९०० पूर्ण सामग्री : ५०० मिली.

उपयोग करने का तरीका:

१५ लीटर पंप में ४० मिलीलीटर भूमिविटा मिलाकर छिडकाव करे और फसल को पानी देते समय भी पानी के साथ मिलाकर इस्तेमाल किया जा सकता है (१ बीधा में २०० मिली) और पंपसे ड्रेंचिंग भी किया जा सकता है।

ध्यान दें उपयोग करने से पहले, एक बाल्टी पानी लें, उसमें ४० मिलीलीटर भूमिविटा मिलाएं, अच्छी तरह हिलाके मिश्रण तैयार करें और फिर उसे पम्प में डालें और छिडकाव करे।

अस्वीकरण:

हमारे प्रोडक्ट का उपयोग हमारे नियंत्रण से बाहर है। इसलिए, हम प्रोडक्ट की एक समान मात्रा के अलावा कोई अन्य जिम्मेदारी नहीं लेते हैं।

मुख्य लाभ

- मिट्टी की उर्वरता बढ़ाता है और फसल की पैदावार बढ़ाता है।
- मिट्टी में लुप्त पोषक तत्वों की पूर्ति करता है।
- भूमिविटा मिट्टी की उर्वरता बढ़ाता है।
- भूमिविटा फसल की वृद्धि को बढ़ाकर उत्पादकता बढ़ाता है।
- एक जमीन संवर्धक है।

भूमि सुधार के लिए

धरतीवीटा

मिट्टी की उपजाऊ क्षमता को बढ़ाने के लिए

धरतीवीटा सभी प्रकार की फसलों के लिए एक आधुनिक और अच्छी तरह से शोधित जैविक उत्पाद है। यह मिट्टी की उर्वरता और उत्पादकता को बढ़ाता है और फसलों की पोषक आवश्यकताओं को पूरा करता है। आजकल कई किसानों की मिट्टी की उपजाऊ क्षमता में कमी के कारण फसल का संतोषजनक विकास नहीं हो पाता है, कभी-कभी फसल का उत्पादन कम होता है, फूल कम संख्या में आते हैं, फूल गिरते हैं, फल गिरते हैं, फल नहीं लगते, फल के आकार सही नहीं होना। टीमेक्स धरतीवीटा को विशेष रूप से इन सभी समस्याओं को हल करने के लिए बनाया गया है।

मुख्य तत्व:

K2O(पोटेशियम ऑक्साइड), फुल्विक एसिड, ह्यूमिक एसिड।

सामग्री:

सांद्रित ह्यूमिक एसिड, फुल्विक एसिड और K2O।

कार्य :

पौधों की वृद्धि में सुधार करें।

फसलें:

सभी क्षेत्र फसलों और बागवानी फसलों के लिए उपयुक्त।

उपयोग:

पहले और बाद में दोनों उपयोग के लिए। कोई भी कीटनाशक या कवकनाशक के साथ मिश्रण ना करें।

किंमत : ₹९९९ पूर्ण सामग्री : १किलो

उपयोग करने का तरीका:

१५ लीटर के पंप में १० ग्राम धरतीविटा मिलाकर छिडकाव करे और मिट्टीमें या खादमें १ किलो धरतीविटा को मिश्रण करके १ ऐकड जमीन में उसका छिडकाव करे।

ध्यान दे : उपयोग करने से पहले एक बाल्टी में पानी लें, उसमें १० ग्राम धरतीविटा मिलाकर अच्छी तरह हिलाएं और मिश्रण तैयार करें, फिर उस मिश्रण को पंप से छिडकाव करें।

अस्वीकरण:

हमारे प्रोडक्ट का उपयोग हमारे नियंत्रण से बाहर है। इसलिए, हम प्रोडक्ट की एक समान मात्रा के अलावा कोई अन्य जिम्मेदारी नहीं लेते हैं।

मुख्य लाभ

- मिट्टी की उर्वरता और उत्पादकता को बढ़ाता है।
- फल और फूल के विकास में मदद करता है।
- मिट्टी को शुद्ध करता है।
- मिट्टी का पीएच स्तर बनाए रखता है।

मिट्टी की उपजाऊ क्षमता को बढ़ाने के लिए

मिल्क 'ओ' प्लस

दूध और स्वास्थ्य दोनों बढ़ाएं

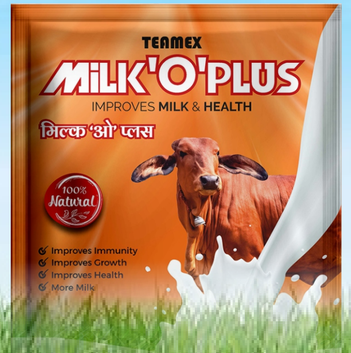

मिल्क'ओ'प्लस

दूध और स्वास्थ्य दोनों बढ़ाएं

अत्यधिक पौष्टिक टीमेक्स मिल्क'ओ' प्लस दूध की वृद्धि और बेहतर स्वास्थ्य के लिए एक उत्कृष्ट विकल्प है। इसे विशेष रूप से अच्छे स्वास्थ्य और पाचन का समर्थन करने के लिए आवश्यक विटामिन और खनिजों के साथ तैयार किया गया है। यह गाय और भैंस जैसे सभी दुधारू पशुओं के लिए सबसे अच्छा स्वास्थ्य पूरक है जो शरीर में पोषक तत्वों के साथ-साथ मांसपेशियों को बढ़ाकर शरीर के विकास में मदद करता है।

मुख्य तत्व:

भृंगराज पाउडर, भूमि आमला पाउडर, कालमेघ पाउडर, पुनर्नवा पाउडर, सतावरी पाउडर, जीवंती पाउडर, अस्थिश्रृन्खला पाउडर

सामग्री:

औषधीय पौधों के हर्बल अर्क और तेल।

कार्य :

पशुओं के संपूर्ण स्वास्थ्य एवं दूध की वृद्धि के लिए

पशु :

सभी दुधारू पशुओं के लिए उपयुक्त।

उपयोग:

किसी भी पशु आहार के साथ मिलाएं।

किंमत : ₹५८५ पूर्ण सामग्री : ५००ग्राम

उपयोग करने का तरीका:

पशुओं को २०-२५ ग्राम / ३-४ चम्मच मिल्क'ओ'प्लस अन्य चारे में मिलाकर खिलाएं।

अस्वीकरण:

हमारे प्रोडक्ट का उपयोग हमारे नियंत्रण से बाहर है। इसलिए, हम प्रोडक्ट की एक समान मात्रा के अलावा कोई अन्य जिम्मेदारी नहीं लेते हैं।

मुख्य लाभ

- बीमारी से बचने की क्षमता प्रदान करता हैं।
- दूध में बढ़ौती करता है।
- पशुओं की शारीरिक और मानसिक सेहत को बढ़ाता है।
- पाचन में सुधार करता है।
- vitamins & minerals. आवश्यक विटामिन और खनिज प्रदान करें।
- मजबूत हड्डियों के निर्माण में मदद करता है।

दूध और स्वास्थ्य में सुधार

नीम ऑयल

जीवाणुजन्य और वायरल रोगों से फसल की रक्षा करने के लिए

नीम ऑयल एक 100% ऑर्गेनिक नीम ऑयल है जिसे कोल्ड प्रेस्ड मेथड द्वारा निर्मित किया गया है, जिसमें पूरी प्रक्रिया में कोई रसायन शामिल नहीं है। कोल्ड प्रेस्ड नीम का तेल उच्च शक्ति और दक्षता रखता है जो कृषि और बागवानी अनुप्रयोगों के व्यापक स्पेक्ट्रम में मदद करता है। नीम ऑयल बनाने में प्रयोग होने वाले नीम के बीजों के चयन में बहुत सावधानी बरती जाती है। यह एक अच्छी तरह से शोध और प्रभावी फॉर्मूलेशन है जिसने कई कड़े प्रयोगशाला और फील्ड परीक्षण परीक्षणों को पारित किया है और इसकी प्रभावशीलता साबित की है।

मुख्य तत्व:

नीम का तेल

सामग्री:

नीम के हर्बल अर्क और औषधीय जड़ीबूटियों का तेल।

कार्य :

मिट्टी की उत्पादकता बढ़ाने और फसलों को बैक्टीरिया से बचाने में मदद करता है।

फसलें:

सभी क्षेत्र फसलों और बागवानी फसलों के लिए उपयुक्त।

उपयोग:

पहले और बाद में दोनों उपयोग के लिए। कोई भी कीटनाशक या कवकनाशक के साथ मिश्रण ना करें।

किंमत : ₹४७५ पूर्ण सामग्री : २५० मिली. | किंमत : ₹९२५ पूर्ण सामग्री : ५०० मिली.

उपयोग करने का तरीका:

१५ लीटर पंप में ४० मिलीलीटर नीम ऑयल मिलाकर छिड़काव किया करे और टिमेक्स बायोरक्षक - 20 और बायोरक्षक - 40 के साथ छिड़काव किया जा सकता है।

अस्वीकरण:

हमारे प्रोडक्ट का उपयोग हमारे नियंत्रण से बाहर है। इसलिए, हम प्रोडक्ट की एक समान मात्रा के अलावा कोई अन्य जिम्मेदारी नहीं लेते हैं।

मुख्य लाभ

- चूसने वाले कीड़े, नेमाटोड और कीटाणुनाशक से बचाता है।
- पौधे की प्रतिरोधक क्षमता को बनाए रखता है।
- मिट्टी का पीएच स्तर बनाए रखता है।
- मिट्टी को शुद्ध करता है।
- पौधे को हर स्तर पर कीटों की विभिन्न प्रजातियों से बचाता है जैसे थ्रिप्स, माइट्स, लार्वा, चूसक कीट, सफेद मक्खी, एफिड्स, जैसिड्स आदि।

जीवाणुजन्य और वायरल रोगों से फसल की रक्षा करने के लिए

स्टिक एंड स्प्रेड

सिलिकॉन स्टिकर, स्प्रेडर, एक्टिवेटर
फसल वृद्धि संवर्धन

टीमेक्स स्टिक एंड स्प्रेड एक बेहतर फैलने वाला, चिपकने वाला, गीला करने वाला और सक्रिय करने वाला एजेंट है, जिसे केमिकल्स को गीला करने, फैलाने और गहराई में पहुँचाने के लिए बनाया गया है। स्टिक एंड स्प्रेड सिलिकॉन स्प्रेडर स्तर के तनाव को बहुत कम कर देता है, जिसे पत्तियों पर तेजी से गीलापन और फैलाव होता है। स्टिक एंड स्प्रेड फसलों में रसायनों के त्वरित अवशोषण की सुविधा प्रदान करता है जिसे फसल का ग्रोथ एवं उत्पादन दोनों में बढ़ोतरी होती है।

मुख्य तत्व:

नॉनआयनिक सर्फेक्टेंट - 80 %
ट्राइसेलोक्सिलेट - 10 %
इनर्ट घटक - 10 %

सामग्री:

सांद्रित नॉनआयनिक सर्फेक्टेंट, ट्राइसेलोक्सिलेट और इनर्ट घटक

कार्य :

रसायनों को फैलता है और गिला रखता है, जिसे विकास में मदद मिलती है।

फसलें:

सभी क्षेत्र फसलों और बागवानी फसलों के लिए उपयुक्त।

उपयोग:

पहले और बाद में दोनों उपयोग के लिए। कोई भी कीटनाशक या कवकनाशक के साथ मिश्रण ना करें।

किंमत : ₹१९९ पूर्ण सामग्री : १०० मिली. | किंमत : ₹७९९ पूर्ण सामग्री : ५०० मिली.

उपयोग करने का तरीका:

५ मिली स्टिक एंड स्प्रेड को १५ लीटर पानी में मिलाकर उपयोग करें, सभी फसलों और पर्णीय प्रयोग के लिए।

अस्वीकरण:

हमारे प्रोडक्ट का उपयोग हमारे नियंत्रण से बाहर है। इसलिए, हम प्रोडक्ट की एक समान मात्रा के अलावा कोई अन्य जिम्मेदारी नहीं लेते हैं।

मुख्य लाभ

- स्तर के तनाव को बहुत कम कर पत्तियों पर तेजी से गीलापन और फैलाव बढ़ाता है।
- कीटनाशकों को बेहतर तरीके से फैलने में मदद करता है।
- पानी को गीला बनाकर मिट्टी में अधिक आसानी से प्रवेश करने में मदद करता है।
- मिट्टी में तेजी से प्रवेश करने के कारण, पानी का अधिक व्यय कम करता है।
- कीटनाशकों को पानी में अच्छी तरह मिलाने में मदद करता है।
- धातु के पंपों, टैंकों और अन्य धातु के उपकरणों को जंग लगने से बचाता है।
- इसमें कम झाग वाला सर्फेक्टेंट होता है जो नॉन-आयनिक और बायोडिग्रेडेबल दोनों होता है।
- यह फसल की पैदावार को 30-40% तक बढ़ाने में मदद करता है।

वृद्धिविटा

उत्पादन की वृद्धि और विकास के लिए

वृद्धिवीटा आयुर्वेदिक जड़ीबूटीयो के अर्क से निर्मित किया जाता है। उनके प्राकृतिक सवधर्क घटक फसल को हरदम तरोताजा, और तंदुरस्त रखके पैदावार बढ़ता है। खेती से पहले वृद्धिवीटा के बीज उपचार से बीजांकुरण में अच्छी सफलता मिलती है। वृध्दिवीटा प्रयोग पोधो की पाचनक्रिया को गति प्रदान करता है। वृद्धिवीटा प्रयोग आनेवाले रोगो की आकांशा को बहुत काम करके लम्बे समय तक पौधों को रोगमुक्त रखता हे। वृद्धिवीटा प्रयोग पोधो की पतिया में हरितद्रव्य को विकसित करके प्रकाश संश्लेषण को बढ़ता है।

मुख्य तत्व:

अश्वगंधा, चित्रक, एलोवेरा, अरंडी का तेल और अन्य औषधीय तेल।

सामग्री:

औषधीय पौधों के हर्बल अर्क और तेल।

कार्य :

उत्पाद की वृद्धि और विकास में मदद करता है।

फसलें:

सभी क्षेत्र फसलों और बागवानी फसलों के लिए उपयुक्त।

उपयोग:

पहले और बाद में दोनों उपयोग के लिए। कोई भी कीटनाशक या कवकनाशक के साथ मिश्रण ना करें।

किंमत : ₹४७५ पूर्ण सामग्री : २५० मिली. | किंमत : ₹९०० पूर्ण सामग्री : ५०० मिली.

उपयोग करने का तरीका:

१५ लीटर के पंप में ४० मिलीलीटर वृद्धीवीटा मिलाकर छिडकाव करे।
ध्यान दें उपयोग करने से पहले एक बाल्टी में पानी लें, उसमें ४० मिलीलीटर वृद्धीवीटा डालें, अच्छी तरह हिलाके मिश्रण तैयार करें, फिर उसे पम्प में डालें और छिडकाव करे।

अस्वीकरण:

हमारे प्रोडक्ट का उपयोग हमारे नियंत्रण से बाहर है। इसलिए, हम प्रोडक्ट की एक समान मात्रा के अलावा कोई अन्य जिम्मेदारी नहीं लेते हैं।

मुख्य लाभ

- वृद्धि, विकास, पूर्ण प्रस्फुटन, फसल प्रजनक, उत्पादन बढ़ाने में मदद रूप है।
- फसल का स्वास्थ्य बढ़ता है।
- उत्पादकता में सुधार होता है।
- पौधों की वृद्धि और विकास में मदद करता है।
- पोषक तत्वों के अवशोषण में सुधार करता है।
- पौधों की वृद्धि को उत्तेजित करता है।

उत्पादन की वृद्धि और विकास के लिए